

१०८८

म. ग्रं. सं. ठाणे

विषय

काव्य

सं. नं.

७०२

# काव्यरत्नी पदें प्रारं.

३०३

काव्य.

नं. ३०३

म. ग्रं. सं. ठाणे

विषय

काव्य

७०२

संग्रहालय क्रमांक

७०२

लेखक

वि. दा. पुरंदरे

३-११/११ कं पनी

पुस्तकाचें नांव

काव्यरत्नी पदें

सन

१०८८

# अथ कबीरकृत पदें.

पद १ लं.

कायकुदेहधरोरे ॥ अभागीकायकुदेहधरोरे ॥ ध्रु०  
॥ इससुखब्रह्माइससुखपायो ॥ निजपदक्योंबिस-  
रोरे ॥ अभागीकाय० ॥ १ ॥ शामसुंदरकीसेवा-  
चूकी ॥ उपजतक्योंनमरोरे ॥ अभागीकाय०  
॥ २ ॥ कहतकबीरासुनभाईसाधु ॥ नहितोनरक  
पडोरे ॥ अभागीकायकु० ॥ ३ ॥

पद. २ रें

तनकानहींभरोसावे ॥ देखेकालतमासावे ॥  
ध्रु० ॥ बडेरामोंसाजविराजे ॥ मैजानकेसुख  
वेला ॥ कोइकिसीकानहिरेयारो ॥ आखरजात-  
अकेला ॥ तनका० ॥ १ ॥ चोपचापकेपगडीबां-  
धी ॥ बालंपेचसवाई ॥ मुछामुरडकरदरपनदेखे ॥  
बालफिरंगबजाई ॥ त० ॥ २ ॥ शालदुशाला

पट्टुओढे ॥ खावेगरंमसाला ॥ जबआवेगाजम-  
काफांसा ॥ होवेगदीहला ॥ तन० ॥ ३ ॥  
कहतकबीरासुनभाइसाधू ॥ मारगसीधासवारा ॥  
नजरखोलकरदेखलेयारो ॥ येसबझूटपसारा ॥ त-  
नकानहीभरोसावे ॥ देखेकालतमासावे ॥ ४ ॥

पद ३ रें.

हरीकाभजनकरुंगावे ॥ जमसेखूबलटूंगावे ॥  
धु० ॥ अहंतामारुंममतामारुं ॥ खानजादाक-  
हलाऊं ॥ मनमेराचौकसकरराखूं ॥ चितवैतनमें-  
मिलाऊं ॥ हरिकाभजन० ॥ १ ॥ रामनामका  
घोडामेरा ॥ मैदानमेदवडाऊं ॥ भजनप्रतापहातमें  
बलिं ॥ सन्मुखलेकरदवडूं ॥ हरीकाभजन० ॥ २ ॥  
अवरलोकसबकेचाकर ॥ मैहुजूरकाकाजी ॥ का-  
मक्रोधकीगरदनमारुं ॥ साहेबराखूंराजी ॥ हरी-  
काभजन० ॥ ३ ॥ मैसाहेबकासाचाचाकर ॥  
मेरानामकबीरा ॥ सबसंतनकूंसीसनमाऊंजोहरी  
पारखेहीरा ॥ हरिकाभजन० ॥ ४ ॥

बंदेहुषाररहनावे ॥ साहेबराजीरखनावे ॥ ध्रु० ॥  
 मांजादारूमतपीयारो ॥ अक्कलगुंगहोती ॥ अप-  
 नेपल्लवकादामखरचकर ॥ मुखमेंमटियांपडती ॥  
 बंदेहुषार० ॥ १ ॥ जुवेबाजीमतकरयारो ॥ अक्कल-  
 गुंगहोती ॥ अपनेपल्लवकादामखरचकर ॥ शिर-  
 परजुतियांपडती ॥ बंदेहुषार० ॥ २ ॥ रंडिबाजी-  
 मतकरयारो ॥ अक्कलगुंगहोती ॥ अपनेपदरका-  
 दामहिजाकर ॥ हातमेचवरीआती ॥ बंदेहुषार०  
 ॥ ३ ॥ एकजनार्दनकाबंदा ॥ अक्कलतुजकुंशिखावे  
 ॥ तादिलचाहेसोशिखलेप्यारेनहितोजामूखावे ॥  
 बंदेहुषार० ॥ ४ ॥

संगतसंतनकीकरले ॥ जनमकासार्थककळुक-  
 रले ॥ संगत० ॥ ध्रु० ॥ उत्तमनरदेहपायाप्राणी ॥  
 इसकाहितकुछकरले ॥ सहुरुकूंशरणजाकेबाबा ॥  
 जनममरणदुरकरले ॥ १ ॥ कहांसेआयाकहांसे  
 जावे ॥ येकळुमालुमकरले ॥ दोदिनकीजिदगा-

नीबंदे ॥ हुशारहोकरचलरे ॥ संगतसंतन० ॥ २ ॥  
 कोनकिसीकेजोरुलडके ॥ कोनकिसीकेसाले ॥  
 जबलगअपनेपल्लववाढत ॥ तबलगमिठाबोले ॥  
 संगतसंतन० ॥ ३ ॥ कहतकबीरासुनभाइसाधु ॥  
 बारवारनहिंआना ॥ अपनाहितकल्लुकरलेप्यारे ॥  
 आखरअकेलाजाना ॥ संगतसंतन० ॥ ४ ॥

पद ६ वें.

भाईहुशाररहनाबे ॥ खुदाकानामजपनावे ॥ ध्रु०  
 ॥ दोदिनकीहैजानिदिवानी ॥ तुजअल्लानेदियी ॥  
 रामभजनबिनखाकहोयगा ॥ दियाकालकीफांसी  
 भाईहुशार० ॥ १ ॥ भातभातकेकपडेपेने ॥ सु-  
 रतबनायीखासी ॥ रामभजनबिनमुक्तनहोइगा-  
 मतकरनामगरोरी ॥ भाईहुशार० ॥ २ ॥ चोप-  
 चापकेपगडीबांधी ॥ खायापानकाबीडा ॥ जद-  
 जमकीगांठपडेगा ॥ जायगानंगाउघडा ॥ भा-  
 ईहुशार० ॥ ३ ॥ कहतकबीरासुनरेगञ्जारा ॥ म-  
 तकरनाबेतोडा ॥ रामभजनतोकहतेरहनाक्या-  
 करेकालबिचारा ॥ भाईहुशार० ॥ ५ ॥

( ५ ) का १२५

पद ७ वें.

३०३

येतनमंडनावेमंडना ॥ आखरमट्टिमिलजानारे  
॥ येतन० ॥ ध्रु० ॥ मट्टीकहेकुंभारकुंवे ॥ तूंक्या  
खोदेमुजकूं ॥ कोईदिनऐसाबखतपडेगा ॥ मैबी  
गाडूंतुजकूं ॥ येतन० ॥ १ ॥ लकडीकहेसुतार  
कूवे ॥ तूंक्याछेदेमुजकूं ॥ कोईसमयऐसाआवेतो  
मैजलाऊंतुजकूं ॥ येतनमं० ॥ २ ॥ कपडाकहेदर्जी  
कूंवे ॥ तूंक्याफाडेमुजकूं ॥ एकसमयऐसाआवे  
तोमैठकावूंतुजकूं ॥ येतन० ॥ ३ ॥ कबिराकहेये  
पदहैनिर्बानी ॥ जोइसकीनिंदाकरे ॥ सोनरक  
कूंजाय ॥ येतन० ॥ ४ ॥

पद ८ वें.

भाईरामकहोरे ॥ भवजलपारतरोरे ॥ ध्रु० ॥ जावे  
अंबरजावेधरणी ॥ चंद्रसूरजसबहिजावे ॥ गंगा  
जमुनासागरजावे ॥ कछुनास्थीररहावे ॥ भाईरा  
म० ॥ १ ॥ कायाजावेमायाजावे जावेतीन्ही  
लोक ॥ जितनादेखोउतनाजावे ॥ क्याकरेजतन  
लोक ॥ भाईराम० ॥ २ ॥ मातापीताजोरूलडके

॥ औरबहिनहीभाई॥जबलगसंपतहोययारो ॥ न  
हितोमिलेनकोई॥भाईराम० ॥३॥ वेदशास्त्रकछुन  
हिजानो॥जानोनामतुमारा॥कहतकबीराप्रीतकरै  
मुजे ॥ हुवाशमसोंमुजरा ॥ भाईराम० ॥ ४ ॥

पद ९ वें.

वाहावासाहेबजीसाहेबजी ॥ खूबख्यालतुमारा-  
जी ॥ ४० ॥ गगनलेकरबाजउडावेकब्बातीरच  
ढावे ॥ जदबकरीनेबाधपछाडा ॥ उसकूकोनछुडा  
वे ॥ वाहवा० ॥ १ ॥ जदचूवेनेबिलीपकडी ॥ सु  
रगीघरघरोवे ॥ बंदरकेघरधूममचीहै ॥ उठबिसनी  
पदगावै ॥ वाहवा० ॥ २ ॥ मुंगाभैरावातचलावें  
॥ अंधाकुरानबाचे ॥ जबथोटेनेमृदंगबजाया ॥  
लंगडाक्याखुबनाचे ॥ वाहवा० ॥ ३ ॥ कहतक  
बीराउलटीबानी ॥ विरलाकोइएकजाने ॥ सोहिगु  
रुकाहोयगा चेलाओहीवातपछाने॥वाहवा०'४।

पद १० वें.

येसंतनकीबानीसाधुराम ॥ येसंतनकीबानी ॥  
॥४० ॥ दौलतहसमतपसमबराबर ॥ मस्तरहेनिर्वा

नी ॥ साधु० ॥ १ ॥ जगमेआकरेसारहेना ॥  
 क्याराजाऔरानी ॥ येसंतन० ॥ २ ॥ परधन  
 लेखेयूकबराबर ॥ दूजीओरतहेनानी ॥ येसंत ॥ ०३ ॥  
 कोईमानकरोकोईमूपरमारो ॥ दोनोगंधादलपानी  
 येसंत ० ॥ ४ ॥ झूटीकायाझूटीमाया ॥ दोदिनकी  
 गुजरानी येसंत० ॥ ५ ॥ संपतनहितोहातजोडके  
 ॥ देलोटाभरपानी ॥ येसंत० ॥ ६ ॥ कहतकमा  
 लसुनभाईसाधु ॥ भजनकरोनिर्बानी ॥ येसंत ॥ ७ ॥

पद ११ वें.

हमारोतीरथकोनकरे ॥ भटकतकोनफिरे ॥ धृ० ॥  
 मनमोंगंगामनमोंकाशी ॥ मनमोंस्नानजपकरे ॥  
 हमा० ॥ १ ॥ मनमोआसनमनमोंकडासन ॥  
 मनमोंधूनिजले ॥ हमा० ॥ २ ॥ मनमोंमुद्रामन  
 मोंमाला ॥ मनमोंध्यानधरे ॥ हमा० ॥ कहतक  
 बोरासुनभाईसाधू ॥ भटकतकोनफिरे ॥ हमारो ० ॥ ४ ॥

पद १२ वें.

भजोरेभय्यारामगोविंदहरी ॥ भजो० ॥ धृ० ॥ ज  
 पतपसाधनकलुनहिलागत ॥ खरचतनहिंगठरी ॥



भ० ॥ १ ॥ संततसंपतमुखकेकारन ॥ जैसीभूल  
परी ॥ भजो० ॥ २ ॥ कहतकबीराजाकेमुखराम  
नहीं ॥ ओमुखधूलपरी ॥ भजो० ॥ ३ ॥

पद १३ वें.

सबपैसेकेभाई ॥ अपनासाथीनहिंकोई ॥ धृ० ॥  
खानेपिनेकोपैसाहोयगातो जोरुबदरीकरे ॥ एक  
दिनखानेनहिंमिलतातोफिरकेजबाबकरे ॥ सब-  
पै० ॥ १ ॥ जबलगअपनेपल्लवपैसातबलगलोक  
सलामकरे ॥ अपनापैसानिकलगयातोकोईनहि  
मिठाबोले ॥ स० ॥ २ ॥ भाइबंदऔरबहिनसा  
लेसबपैसेकेभाई ॥ अपनासाथीनहिंकोईकहतेदा  
सकबीरा ॥ येसबपैसेकापसारा ॥ ३ ॥

पद १४ वें.

कैसाजोगकमायाबे ॥ येक्याढोंगमचायाबे ॥  
धृ० ॥ जटाबढाईबभुतचढाईजगमेकहतासिद्धा ॥  
सिद्धनकीतोबातनजाने ॥ येतोकालकागङ्गा  
॥ कै० ॥ १ ॥ भगवेकपडेसीरमुंडावे ॥ कहता  
मैसंन्यासी ॥ संन्यासीकीगतहैन्यारी ॥ येतोपे

टकेउपदेशी ॥ कै० ॥ २ ॥ गलाकफनीशिरमोटोपी ॥  
 कहताफकीरमौला ॥ फकीरहेतोसबसेन्यारा ॥ येतो  
 फजीतखोरा ॥ कै० ॥ ३ ॥ कानफाडकरमुद्राडारीना  
 थकहावेभारी ॥ नाथनकीतोगतहैन्यारी ॥ येतोदे  
 खेपरनारी ॥ कै० ॥ ४ ॥ हातमेंसोटाघरघरफिर  
 ता ॥ कहतामैनानकशाई ॥ पैसेखातरशिरफुडावे  
 ॥ देवेअपनीमाई ॥ कै० ५ ॥ कहतकबीरासुन  
 भाईसाधू ॥ सबसंतनकाछोरा ॥ रामनामबिनमुक्ति  
 नपावे ॥ यहींपंथहमारा ॥ कैसा० ॥ ६ ॥

पद १५ वें.

गाफिलमतरहनाबेटा ॥ शिरपरजममारेसोटा ॥  
 धृ० ॥ लाखचौन्याशींगिरकीम्याने ॥ अवचितन  
 रतनुपाया ॥ दोदिनगयेसटरफटरमेंफेरचौन्याशीं  
 आया ॥ गाफि० ॥ १ ॥ चारप्रहरकालेनादेना ॥  
 चारनिंदमेंकाटा ॥ अष्टौप्रहरऔरघुसडगयेतो ॥ आ  
 यामुदलमेंतोटा ॥ गा० ॥ २ ॥ कवडीकवडीमाया  
 जोडी ॥ लाखकरोडामोटा ॥ जानगईजबजहानन  
 देखे ॥ साथनहींलंगोटा ॥ गा० ॥ ३ ॥ कहतबीरासु

नभाईसाधू ॥ बारबारनहिआवे ॥ इसदुनियाकासौ  
दाकरलेयारोजनमभरनसबजावे ॥ गाफि० ॥ ४ ॥

पद १६ वें.

गुरुनेबातसुनायावे ॥ मुजकूफकिरबनायावे ॥ ध्रु० ॥  
निराकारसिरताजबनाया ॥ निर्गुणउजलिसहेली  
॥ चिदाकासकीकफनीडाली ॥ हातमोंचिन्मय  
झोली ॥ गुरु० ॥ १ ॥ आत्मग्यानकालियाक  
टोरा ॥ घरघरटुकामागे ॥ कामक्रोधकीधुनीज  
लाई ॥ अनुहतलंगरबाजे ॥ गुरु० ॥ २ ॥ औट  
हातकामानवपिंजरा ॥ सोहंपापटबोले ॥ निरंज  
नरघुनाथहुकुमसं ॥ अंदरकापटखोले ॥ गुरुने-  
बात० ॥ ३ ॥

पद १७ वें.

रामरामतूंभजलेप्यारे ॥ कायकुमगरुकरताहै ॥  
कचेमटीकाबंगलातेरापावपलकमोंजलतोहध्रु० ॥  
बम्भनहोकरपुरानवांचे ॥ स्नानतर्पनकरताहै ॥  
सर्वकालसुचिलरहताहै ॥ यंवक्यासाहेबामिलताहै  
॥ राम० ॥ १ ॥ जोगीहोकरजटाबढावे ॥ हाल

मस्तमेरहताहै ॥ दोनोहातशिरपरधरता ॥ यं व  
 क्यासाहेबमिलताहै ॥ राम० ॥ २ ॥ मानभावहोक  
 रकालेकपडेपेने ॥ दाढीमूछीमुंडताहै ॥ उलटीलक  
 डीहातमेपकडकर ॥ यं वक्यासाहेबमिलताहै ॥  
 राम० ॥ ३ ॥ मुलनाहोकरबांगपुकारे ॥ यं वक्या  
 साहेबबहिराहै ॥ मुंगिकेषावमेधुंगुरबाजे ॥ वोबी  
 अल्लासुनताहै ॥ राम० ॥ ४ ॥ जंगमहोकरलिंगबं  
 धावे ॥ घरघरलेकरफिरताहै ॥ शंखबजाकरभिक्षा  
 मागे ॥ यं वक्यासाहेबमिलताहै ॥ राम० ॥ ५ ॥  
 कहतकबीरासुनभाईसाधूमनकीमालाजपताहै ॥  
 जोभावभगतसंध्यानधरतहै ॥ उनकूंसाहेबमिल  
 ताहै ॥ रामनामतूंभजलेप्यारेकायकुमगरु० ॥ ६ ॥

पद १८ वें.

अबतुमगाफलमतरहनाबे ॥ जनमकासार्थककर  
 नाबे ॥ घृ० ॥ बहुतजनमकासुखकरयारी ॥ इसत  
 नकूंतूंआया ॥ इसमोनेकीनहींकियातो ॥ व्यर्थजन  
 मगमाया ॥ अब० ॥ १ ॥ जोरुलडकेमहालमता  
 सब ॥ कोईकहतेमेरा ॥ एकदिनआपनमरीगये

तो ॥ रहेगा झूटपसारा ॥ अब० ॥ २ ॥ चौदाचौ  
 कडेराजारावनलंकाकोभुपती ॥ सबसुन्नेकागांव  
 जिसका ॥ मूमेपडगइमटी ॥ अ० ॥ ३ ॥ ऐसीद  
 वलतजाकीयारो ॥ संगकडूनहिंगया ॥ रामना  
 मसेमस्तीकीई ॥ अखीरअकेलागया ॥ अ० ॥ ४ ॥  
 रामनामबिनसबैहैझूटायेहीसमजोभाई ॥ खुदाना  
 मबिनकरमनाटके ॥ कहतेकविराभुलाई ॥ अ० ॥ ५ ॥

पद १९ वें.

बाबाहरमेहरकूंदेखा ॥ घृ ॥ ठाकुरद्वारीबंमनबैठा ॥  
 पक्केअंदरसिधारे ॥ एकगुरूकेदोनोचेले ॥ एकमु  
 जीएकमुजोर ॥ बाबा० ॥ १ ॥ आपीमटीआपी  
 मतकरा ॥ आपिचुवावनवालारे ॥ आपीपिवेऔरआ  
 पपीलावे ॥ आपीपिवेमतवालारे ॥ बाबा० ॥ २ ॥  
 आपीमालूआपिखजीना ॥ आपीलुटावनवालारे ॥  
 अपनेघरकेआपलुटावे ॥ आपनहींघरघालारे ॥  
 बाबा० ॥ ३ ॥ आपहिकाजीआपीमुलना ॥ आ  
 पीन्यावचुकावेरे ॥ कहतकबीरासुनभाईसाधू ॥  
 सबकाएकहिअल्ला ॥ बा० ॥ ४ ॥

पद २० वें.

नजरन आवे आतम जोती ॥ घृ० ॥ तेलन बत्ती बूज  
नहिंजाती ॥ नहिंजागत नहिंसोती ॥ नजरन० ॥  
॥ १ ॥ झिलमिल झिलमिल निसिदिनिचमके ॥ जैसा  
निर्मल मोती ॥ न० ॥ २ ॥ कहत कबीरा सुन भाई  
साधू ॥ घरघर बाचत पोथी ॥ न० ॥ ३ ॥

पद २१ वें.

मनरे आगमती रथकूंचलना ॥ घृ० ॥ गाजन बीजप  
वननापाणी ॥ बिनबादलका झरना ॥ मन० ॥ १ ॥  
जाहांनाहीं तालअखंडहीघार ॥ उससरोवरमे झुल  
ना ॥ म० ॥ २ ॥ कहत कबीरा सुन भाई साधू ॥  
काहेकूंभटके मरना ॥ ३ ॥

पद २२ वें.

आपहि धनकधारी प्रभुजी ॥ आपहि खेलखिलारी है  
॥ घृ० ॥ तंबूतो असमान बना योजमी नदुली भारी है  
॥ चंदरसुरज दोसलब बना यातेरी कुदरत न्यारी है ॥  
आ० ॥ १ ॥ रामनामकी चौपटमांडी तुम फांसाज  
गसारी है ॥ फांसा डारें जबजिता बेसारी कवन बिचा

राहै ॥ आ० ॥ २ ॥ छकेपंजेसेनर्दबचावेबाजीक  
 ठणकरारीहै ॥ जाकीनर्दपकीघरआवेसोईसुगरखि  
 लारीहै ॥ आ० ॥ ३ ॥ रंकातारेबंकातारेगणिका  
 कवणविचारीहै ॥ ध्रुवप्रहादनेकीसेजाबैठेआपही  
 घनकघारीहै ॥ आ० ॥ ४ ॥ जाकेशिरपरसाहेब  
 कार्पजावाकाजैगदभिकारीहै ॥ कहतकबीरासुन  
 भाईसाधू ॥ साचीजीतहमारीहै ॥ आपहि० ॥ ५ ॥

पद २३ वें.

रमतेरामफकीरकोईदिनयादकरोगे ॥ रमते ॥ ध्रु० ॥  
 आगरचंदनकीधुनीलगाई ॥ चलोदेखोहैस्थीर ॥  
 कोई० ॥ १ ॥ इडापिंगळाऔरसुसुमना ॥ बिर-  
 लाजानेदोर ॥ कोई० ॥ २ ॥ कहतकबीरासुनभाई  
 साधु ॥ करसाहेबकीफिकीर ॥ कोईदिनयाद  
 करो ॥ रमते ॥ ३ ॥

पद २४ वें.

रामभजनकोदिया ॥ कमलमुखरामभजनकोदि-  
 या० ॥ ध्रु० ॥ लखचौन्याशीफेरेफिरकर ॥ सुंदर  
 नरतनुपाया ॥ कम० ॥ खायापीयासुखसेसोया

॥ नहाकजमानाखोया ॥ कम० ॥ ३ ॥ जामुखान  
सिदिनिरामनामनहिं ॥ वहांतुमकलुनहिकिया  
॥ कम० ॥ ३ ॥ कहतकबीरासुनभाईसाघू ॥ आ  
याऐसागया ॥ क० ॥ ४ ॥

पद २५ वें.

मेरेनजरसोमोतीआयो ॥ मैभलाभरोसेपायो ॥  
ध्रु० ॥ चारखुंटकादेवलमनायो ॥ उसपरकलसघ  
रायो ॥ मे० ॥ १ ॥ देसदेसकेदर्शनआये ॥ संतन  
केमनभायो ॥ मे० ॥ २ ॥ शेजसुनोपरसाहेबमेरा ॥  
तीनलोकसबढायो ॥ मे० ॥ ३ ॥ कहतकबीरासु  
नभाईसाघू ॥ हुकुमीनामचलायो ॥ मे० ॥ ४ ॥

पद २६ वें.

जोदमच्येहेसोकरेलगुजरा ॥ मेरासाहेबनियासें  
न्यारा ॥ ध्रु० ॥ तुमनहिकिसिकाकोइनाहतेरा ॥  
झुटासकलपसारा ॥ जोदमच्येहे० ॥ १ ॥ देलेले  
लेसंगचलेगा ॥ हसलेहसलेथेहितमाशा ॥ जोदम  
च्येहे० ॥ २ ॥ कहतकबीरामस्तकफीरा ॥ राम  
तुमकरेलेसाचा ॥ जोदमच्येहे० ॥ ३ ॥



पद २७ वें.

दयाधरमनहिंमनमो ॥ मुखडाक्यादेखेदरपनमो ॥  
 धृ० ॥ जबलगफूलरहेफुलवाडीबासरहेगाफुलमो ॥  
 एकदिनऐसाहोजावेधानउडेगीतनमो ॥ दया  
 धर० ॥ १ ॥ चुवाचंदनअबिरअरगजाशोभेगोरे  
 तनमो ॥ धनजोबनडोंगरकापानीढलजावेगाखि  
 नमो ॥ दयाधर० ॥ २ ॥ नदियागहिरीनावपुरा  
 नीउतरेचाहेसंगमो ॥ गुरुमुखहोयसोपारउतरेनुग  
 राडूबैउनमो ॥ दयाधर० ॥ ३ ॥ कवरीकवरी  
 मायाजोरीसुरतहरीनिजधनमो ॥ दसदरवाजेघेर  
 लियेजबरहेगयेमनकेमनमो ॥ दयाधर० ॥ ४ ॥  
 पगियाबधपगसवारतेलझुलाझुलपेमो ॥ कहत  
 कबीरासुनभाईसाधूएक्यालडरहेमनमो ॥ दयाध  
 र० ॥ २ ॥

हैं पुस्तक मुंबईत विनायक दादोबा पुरंदरे आणि कंपनी  
 यांणी " देव्हारे प्रिंटिंग प्रेस " मध्ये छापिलें.

शके १८१६, सन १८९४-

पद २७ वें.

दयाधरमनहिंमनमो ॥ मुखडाक्यादेखेदरपनमो ॥  
 धृ० ॥ जबलगफूलरहेफुलबाडीबासरहेगाफुलमो ॥  
 एकदिनऐसाहोजावेधानउडेगीतनमो ॥ दया  
 धर० ॥ १ ॥ चुवाचंदनअबिरअरगजाशोभेगोरे  
 तनमो ॥ धनजोबनडोंगरकापानीढलजावेगाखि  
 नमो ॥ दयाधर० ॥ २ ॥ नदियागहिरीनावपुरा  
 नीउतरेचाहेसंगमो ॥ गुरुमुखहोयसोपारउतरेनुग  
 राडूबेउनमो ॥ दयाधर० ॥ ३ ॥ कवरीकवरी  
 मायाजोरीसुरतहरीनिजधनमो ॥ दसदरवाजेघेर  
 लियेजबरहेगयेमनकेमनमो ॥ दयाधर० ॥ ४ ॥  
 पगियाबाधेपगसवारेतेलझुलाझुलपेमो ॥ कहत  
 कबीरासुतभाईसाधूएक्यालडरहेमनमो ॥ दयाध  
 र० ॥ २ ॥

हैं पुस्तक मुंबईत विनायक दादोबा पुरंदरे आणि कंपनी  
 यांणी "देव्हारे प्रिंटिंग प्रेस" मध्ये छापिलें.

शके १८१६, सन १८९४-